कांच करोबारी उत्पाद का मूल्य निर्धारण नहीं कर सकते

Amar Ujala, Sun, 25 Feb 2018- https://www.amarujala.com/uttar-pradesh/agra/191519496353-agra-news

फिरोजाबाद। आल इंडिया ग्लास मैन्यूफैक्चर फेडरेशन के तत्वावधान में कांच उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार में मंथन हुआ। कांच उद्योग को स्वच्छता अभियान का सारथी बताते हुए उद्योगपतियों ने बढ़ावा देने की बात कही। कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया के ज्वाइंट डायरेक्टर जनरल राजेंद्र कुमार ने 2009 में लागू कंपटीशन लॉ के बारे में उद्योगपतियों को जानकारी दी। समारोह में मंचासीन अतिथियों ने ग्लास न्यूज पत्रिका का विमोचन किया।

हाइवे स्थित पैराडोर होटल में आयोजित सेमिनार में कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया के ज्वाइंट डायरेक्टर जनरल राजेंद्र कुमार ने कहा किसी भी उत्पाद से जुड़े कारोबारी अगर एक साथ मिलकर मूल्य का मनमाना निर्धारण या बढ़ोत्तरी करते हैं तो गलत है। इससे टर्नओवर का 10 प्रतिशत जुर्माना लग सकता है। कांच कारोबार रॉ मैटेरियल की कीमतों से जूझ रहा है। मनमानी के मामले को कांच कारोबारी संयुक्त रूप से एसोसिएशन के जरिए कंप्टीशन कमीशन तक ले जाएंगे।

डायरेक्टर जनरल ने कारोबारियों को कीमत निर्धारण की नीति के संबंध में कई निर्देश दिए। प्रिंसिपल डायरेक्टर संजीव चिनमाली ने बताया कि कैसे ईधन की खपत कम हो सकती है। मुख्य अतिथि भाजपा विधायक मनीष असीजा ने कहा कांच से फिरोजाबाद की पहचान है। मुख्यमंत्री ने वन डिट्रिक, वन प्रोडक्ट योजना से नई दिशा दी है। कांच के लिए विशेष योजनाएं हैं। संचालन आल इंडिया ग्लास मैन्यूफेक्चरिंग फेडरेशन के सचिव विनीत कपूर ने किया।

बहादुरगढ़ से भारत सोमानी, हैदराबाद से ओपी पांडे, शैलेंद्र कुमार मिश्र, सन राइज ग्लास इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों सहित विशेषज्ञ एसके मल्होत्रा एवं जगदीश सरीन आए। राजकुमार मित्तल, देवीचरन अग्रवाल, संजय मित्तल, राजकुमार मित्तल, संतोष अग्रवाल, धर्मेंद्र मोहन गुप्ता, मोहन लाल अग्रवाल,किशन मोहन गुप्ता, दीपक बंसल, शैलेंद्र शैली रहे।

पर्यावरण का सारथी बताया कांच उद्योग
फिरोजाबाद। पर्यावरण सुरक्षा के लिए कांच उद्योग सारथी बताया। एआईजीएमएफ के सचिव विनीता कुमार सहित कई उद्योगपतियों ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान पर सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। फिर भी नाले, नदियां प्लास्टिक के कारण चोक पड़े हैं। प्लास्टिक से गंदगी बढ़ी है। अगर कांच का इस्तेमाल ज्यादा होगा तो समस्या हल हो जाएगी। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन का चिन्ह बनीं बोतल लांच की गई। यूपीजीएमएस के अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने कहा कि कांच की बोतल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। प्लास्टिक में खाद्य पदार्थों के सेवन से कैंसर होता है। कांच री-साइकिल है। न तो यह बीमारी देता है और न ही गंदगी।